

4) मानवतावाद की तरह अब भी जीवन असाधें विर्ल नियुक्त  
इंस्टिउज़िट गाड़े हुए हिल?

→ सुन्दर काताकीर्ति- इतालि मानवतावादी आलोचनाएँ  
ठेगे अब भी शूक्रवर्षीया अधिकार वस्ता भाष्टे।  
अर्थ मानवतावादी आलोचनाएँ इस विज्ञाप्ति शूक्रवर्षीया  
हिल "Secular" औ "Civic Humanism"; श्रीकृष्ण विज्ञाप्ति  
क्रिक्ति-मानवतावादी अब भी बुद्धि रखते हैं। अनुदित  
प्रजावित भवर्मे मानवतावाद बोनो ब्राह्मण मर्यादा भवते  
ब्रह्मवर्षीया मानवतावाद प्रति मानवतावाद देखते हैं। 'Civic Humanism'  
थेके ताढ़े भाठे नाजावित विविध। नाजारे भास्त्रवर्षीया जीवन मानव  
औ नैतिकतावाद ज्ञान बोनावे अब वेत वर्षामु बाधवेत  
ब्राह्मणवर्षीया तो नियुक्त से विष्वारु आलोचना थम, तो  
अवेष्टे ताढ़े भाठे भाठे भास्त्रवर्षीया ज्ञानले अब वाह  
विष्वारु आलोचनावाद जिते ताह से छोटे छोटे थांका  
मारा, अर्थ विष्वारु प्रति वर्षामु बाध्या असुन्दर प्रामाण्य  
विष्वारु इतालि अमा शैक्षणिक बोनावे विर्ल नियुक्त हिल  
विष्वान इल अब बोनावे तो "Political, Economic, Ideology"  
जे विष्वारु विष्वारु आलोचना नहे, विष्वारु विष्वारु जाति  
असुन्दर प्रामाण्य। जे अनु अर्थे विष्वारु जानते हैं तो  
शास्त्रानुसार उप्पानेर इतिहास अब अब्सोल्युट अवृत्तिवर्णन  
उप्पानेर अवृत्तिवर्णन से, प्रस्त्रियाद्वा  
मानवतावाद हिल तो अमेवे अनु विष्वारु हिल असुन्दर अब  
ताढ़े अंडेहिल भौतिकानेर विष्वारु असुन्दर बृहु इतिहास  
प्राप्त हिल। अब जिते विष्वारु अब विज्ञान रेतनावाद  
विष्वान। महाविष्वास भजे भास्त्रवर्षीया असुन्दर आविक्तावेर  
एक्षोर अजे अजे अपासर वर्षामु के challenge आलो  
शुक्त थम। इतिहासीय "Civic Humanism" - अब उप्पानेर मानव  
प्रति शास्त्रकेर से अनु इतिहास जेति से विष्वारु  
उप्पानेर वेति वेति अपासर बोनेस। अब आले नाजावी  
परिचालनावाद ब्राह्मण विर्ल नियुक्त हिल इंस्टिउज़िट अपासर  
पास। अर्थे विर्ल नियुक्त हिल इंस्टि�ਊज़िट भास्त्रवर्षीया त्रुत

बहुते भूकं वण्डेचिल ब्राह्मणेतिका अ आमाग्रिं बण्डने। अहुजाहु उठा आठीय-ब्राह्मेष्ट वर्जविश्वादेष्ट अनगनेष्ट भमर्गन अक्किंचिल। Absolutely state से विश्वजट्ट देष्टजातलेष्ट अर्थत वण्डेचिल ताते विज्ञनिवेष्ट-द्वाविजिज्ञे अवलोक्त्य लेल्धसाज्य एवान वण्डेचिल। वण्डन अहु नष्टन ब्राह्मणेतिका ओ ब्राह्मणेतिका पर्वते विज्ञनस्त ब्राह्मेष्ट इस्टे देष्टचिल भानव ज्ञाप्त्य-चानिका शास्ति। अौचिल द्वापेष्ट ठप्पत वन्मानेष्ट अवौचिल भविभू अच्छा।

अजग्जत एष्टेष्टु अहु अम्भवणव नाळनिक्षेष्ट-विजिव लेल्धाहु ढाहु ब्राह्मेनास्तेष्ट्वा अथावित शम्भेचिलन वीरे वीरे अन्न रामेचिल आलोवित देष्टजातल्लुरु। एक्कुदक्ता ओभाङ्कु कातकीत नाना आगा वाहुरु मर्ह्य दिल्ल अहु विज्ञनिवेष्ट-गमयतावाद वा Envie Humanism (ऐवी/वाजाविक भानवणवाद) विकास विष्टाहु लाऽ वण्ड अयुं ईष्टेवेल वीरे वीरे अविभु चले अग्न नष्टन ब्राह्मेचार्चनेष्ट दिके। West Faillies दुक्किं पाहु अहु अस्त्रीतिव इष्टेवासीमु ब्राह्मेत्रावप्या जाहु उठ। Absolutism अहु झं वड्डेष्ट उत्तुकु इम्। अहु अपमान इष्टेवोप वाजाविक अम्भाहु निक्षुलि मातविन्ताहु धातिल्ल भालोचित इते भावण।

लेतीमु ब्राह्मेष्ट देष्टानेष्ट भण्णल अम्भुलिक अभा, विष्ट बुक्किं उच्चान वीआव इम् अकु वीतावे विमिल इम् आम वण्डुक्कु विज्ञवेण्टिव्वात्ता। सर्वे अव विष्ट अम्भाके भाना भाम् वण्डुक्कु अज्ञ भाना भाम् अव नकु अम्भुत्तिव-देष्टान भम्भाके। अकु सर्वे अज्ञ भाना भाम् अव नकु अम्भुत्तिव-देष्टान भम्भाके। अहु अभुत्तिव उत्तुकाहु लीवत फ्लघी इम् उठ। ओ आविभु उठ अभुत्तिव उठ। से आशित्तेभुत्तिवाली, लीवतफ्लघी ओ विष्ट तः प्रताव पाहु। से आशित्तेभुत्तिवाली, अभुत्तिव इँतेजास्य इधृष्टिव्वात्ता निवेष्ट मततेष्ट अभुत्तान भाम्भेचिल, अभुत्तिव इँतेजास्य इधृष्टिव्वात्ता घेजाउच्चिल अम्भाहु इष्टेवोप। फ्लव्वाक्कुवत दृष्टिचिल वीकु उभाना अम्भुत्तिव।

-इंजिमलि इँतेजास्य भण्णल उभानेष्ट विजिवाघुधी विष्टाहु अउम्हाहु भानवावली उभालनेष्ट शात वीरे उठ असेचिलनुम्हन चिक्कला, अमापत्तु किल्ले, वनिवद्वा ओ वानिष्ट्यवन्नीढ्वा, ब्राजाहा चिक्कला, अमापत्तु किल्ले, वनिवद्वा ओ वानिष्ट्यवन्नीढ्वा, ब्राजाहा अउग्रशी इम्हे उठेचिल अमापत्तु, चिक्कला ओ आक्षर्म्य फ्लव्वति अति उठेता विष्ट। बधुत आनेष्ट विष्टाहुत अति, आक्षर्म्यत अति उठेता विष्ट। आम्भलेष्ट ब्राजानेष्ट "Fashion" इम्हे उठेचिल। सर्वे आभालेष्ट ब्राजानेष्ट

विकास वर्णने ग्रन्थाजी नेता अहं कुटी देख्नुपर्याप्त। ईडेहोल्ड  
ब्राह्मण असम अचौक्षि किञ्च ज्ञानवत्तावाप्त भए भश्यक  
रमेहिल। पाश्चात्यका लातकीर्ति प्राप्ति, ताप्तिर्षी, विकास-  
वर्णने ग्रन्थाजी रमेहिल ए प्राप्ति अचौक्षि रमेहिल ग्र-  
निर्जन तत्र विकास वर्णने विकास वर्णने Civic Humanism  
अहं कुटीप्राप्ति।

Civic Humanism - ईडेहोल्ड ईतिहास चर्चावाचि  
प्रकृतिके पालने अहं। अहं ग्रन्ते ईतिहास आहे विकास-  
ईतिहास आवज्जन ना, लिजनार्दी-भयुनि, Rabilo-Bindo,  
(पाश्चात्यका लातकी) अहं Machkavalli ओ लुसीरांदी  
(ग्राहुका लातकीर्ति अन्ननाट्य) प्रधूष्ठ ग्राध्यावणवृत्ताष्टे ईतिहास  
नव्वुन ब्राह्मण लाचे आलेते Civic Humanism एव आलादा  
अहे मानवतावाद किञ्च निंद्यु द्विद्विवादके आल्लास वर्णने  
विर्मनिरुपणताके अविष्ट अहं। मदिड अनेले अन्न श्रीवृष्ट-  
वर्णने ना, ज्ञानवत्तावाद मिस्त्रे अहे आलोचनावृत्त ग्रन्ते ज्ञान  
ओ नीतिवार्तिके अति, मातृस्वरूप भूतुभूष्ट्रे प्रति ज्ञान वाढू।  
अहं ग्रन्ते अन्ननाट्य Guest ग्राध्यावृत्त वानीहे अवन्ननाट्य अहं  
अहे विवाहाष्टे शूभ्र शृणु भावूने। श्रीश्रीवृष्ट नीतिवार्तिके अमा-  
तार्युग्मावृत्त नीतिवार्तिके वाशेष्ट्रे अतो उष्ट आमाद्विता  
नीतिवार्तिके। अहं द्वाद्वा आभाव अमन उत्तुष्टि शृणु तेमानि-  
देवति लाड वर्णने अमालोचना। अहे अमालोचनावृत्त देवति  
विर्मनिरुप्तावृत्त आलोचनावृत्त आळाजो वर्णने अहं प्रवृत्तिवृत्त  
आलोचित द्वेष्वात्तुरुषे वीज वलन वर्णने। ईतिहास द्वृत्त  
उत्तुज्ञावृत्त देवता मासू देव लूप्तिविमाले वणालडिकिटे अहं  
अग्नालिकान, माजुळ्या द्वेष्वात्तुरुषे नजित अहे भानवतावाद  
द्वाद्वा वन्नाद्विति भायिके अस्तु विलेन। श्रीआलियक्षात् द्वृत्त  
प्रणय अडाते पाऊनि। द्वादेषोनद्वृत्त मतो ब्राह्मिक  
द्वृत्ति श्रीवृण्ड वर्णने विस्तु विलेन द्वृत्त भानवतावादि विष्टा  
भूतुभूषके अग्नामृत विस्तु भानुभूषावृत्त द्वृत्त दृढवणावृत्त, विकास-  
वर्णने अन्नसमिक्षावृत्त द्वृत्त प्रोत्त अविष्ट विष्टावृत्त था लेणालो

झृणार्थी नक्ते मानवतावादी किशोर अंतिमित्र-प्रकाशक  
एवं प्रमोटरने। भावा कांस्टेट्यु उद्धरणादेव- तादेव-  
क्षमता ओ आनेवं द्वावा जाहान्य बन्नये। एवं द्वावा तावा  
किर्णकात्- द्वावा परिचालित थत ता। एवं गल्ला कांस्ट त्रावण्याः  
एवं गल्ला हावःजान्य द्वावा पात्र एवं झृणार्थी लोकीति  
लविचालन इये, एवं आथें एवं Humanism वा  
तावाक्षिक्य मानवतावाद- जीवन अभावे एवं एवं विमनिवाल्य-  
हृक्षितज्ञान्य अृक्षिते अशास्त्रा बन्नये छिल।